(e) There are adequate provisions in the existing laws and conventions to minimise strikes.

STATEMENT

Names of the newspaper establishments affected by ihe strike

1. The Statesman Limited publishing the Statesman (Delhi), the Statesman (Calcutta) and other newspapers/periodicals.

2. The Indian Express Newspapers (Bombay) Ltd., publishing the Indian Express (Bombay), the Indian Express (Delhi) and other newspapers/periodicals.

3. The Indian National Press (Bombay) Private Limited publishing the Free Press Journal and other newspapers/periodicals.

4. The Hindustan Times Limited (Delhi) publishing the Hindustan Times and other newspapers/periodicals.

5. The Ananda Bazar Patrika Private Limited, Calcutta, publishing the Hindustan Standard, Ananda Bazar Patrika and other newspapers/ periodicals.

6. Bennett Coleman and Company Limited publishing the Times of India (Delhi), the Times of India (Bombay) and other newspapers/periodicals.

7. KasUiri and Sons Limited, Madras, publishing the Hindu and other newspapers/periodicals.

तृतीय पंचवर्षीय योजना के दौरान रोजगार के अवसर

1241. **श्री पीताम्बर दास :**
डा० भाई महावीर :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री प्रेम मनोहर :
श्री रतन लाल जैन :
श्री मान सिंह वर्मा :
श्री सुन्दर सिंह भंडारी :

क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तृतीय पंचवर्षीय योजना में उत्पन्न 'रोजगार' के अवसरों का एक तिहाई से कम भाग ग्रामीण क्षेत्रों को उपलब्ध हुआ जबकि उन क्षेत्रों में हमारी 80 प्रतिशत जनता रहती है और वहां की पैदावार और उद्योगों का देश के आर्थिक ढांचे में महत्वपूर्ण स्थान है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(ग) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

EMPLOYMENT OPPORTUNITIES DURING THIRD FIVE YEAR PLAN

1241. SHRI PITAMBER DAS :
DR. BHAI MAHAVIR:
SHRI J. P. YADAV :
SHRI PREM MANOHAR:
SHRI RATTAN LAL JAIN:
SHRI MAN SINGH VARMA :
SHRT SUNDAR SINGH BHANDARI:

WiH the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that out of the 'employment opportunities' created during the Third Five Year Plan only less than one third were provided to the rural areas although 80 per cent of our population live in the rural areas and the production and industries in those areas have got an important role to play in the economy of the country;

(b) if so, what are the reasons therefor ; and

(c) what action has been taken in this regard?]

श्रम, सेवानियोजन और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आज़ाद) : (क) तीसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान सर्जित रोजगार अवसरों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए अलग-अलग आंकड़े तैयार नहीं किये गये हैं। योजना आयोग ने बेरोजगारी आगठान पर, अगस्त 1968 में विशेषज्ञों की एक समिति बनाई है जो अन्य बातों के साथ-साथ रोजगार अवसरों की उत्पत्ति का अनुमान लगाने के रीतिविधान का भी सुझाव देगी।

(ख) और (ग) सवाल ही पैदा नहीं होता ।

†[ ] English translation.

tfTHE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): (a) No estimates in respect of employment opportunities created during the Third Plan have been worked out for rural and urban areas separately. The Planning Commission have set up a Committee of Experts on Unemployment Estimates in August, 1968, which will examine and make recommendations *inter alia* on the methodology of estimating employment generation.

(b) and (c) Do not arise.]

t[P.L. 480 FUNDS

पी० एल० 480 की निधियां

1242. श्री पीताम्बर दास :
डा० भाई महावीर :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री प्रेम मनोहर :
श्री रतन लाल जैन :
श्री मान सिंह वर्मा :
श्री सुन्दर सिंह भंडारी :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पी०एल० 480 ी धनराशि के उपयोग की दृष्टि से कोई योजना बनाई गई है; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है और क्या परिणाम रहे ?

1242. SHRI PITAMBER DAS:
DR. BHAI MAHAVIR:
SHRI J. P. YADAV :
SHRI PREM MANOHAR:
SHRI RATTAN LAL JAIN :
SHRI MAN SINGH VARMA:
SHRI SUNDAR SINGH BHANDARI:

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether any scheme has been formulated to utilise the P. L. 480 funds for meeting the requirements of agriculture ; and

(b) if so, what are the details in this regard and what has been the out come?]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा साहेब शिन्दे) :(क) जी हां, वास्तव में समय समय पर कई ऐसी योजनायें बनाई गई हैं। उन में से कुछ पूरी हो चुकी हैं और अन्य कार्यान्विति की विभिन्न अवस्थाओं में है।

(ख) अभी तक कुल 262 अनुसन्धान परियोजनायें स्वीकृत की गई, जिनपर लगभग 8 करोड़ रुपये का कुल व्यय होगा। इन में से 1-1-1969 को 190 परियोजनायें चल रही थीं।

ये परियोजनायें देश में कई अनुसंधान संस्थानों और केन्द्रों पर चलाई गई है और अनुसंधान का कार्य फसल सुधार, पशु प्रजनन, पशु रोग, मानव और पशु पोषण, डेरी विज्ञान, घासपात का परिस्थिति-विज्ञान विकिरण, कीट नियन्त्रण, ऊंचे पौधों का वर्गीकरण, फुंगी और कीड़, फसलों के नेमटोड कीट, पौध रोग, फसल शारीरिक शास्त्र, अर्थ और विपणन, वन विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान भूमि विज्ञान और जल संरक्षण, कपास व तेल पर प्रोद्यौगिक अनुसंधान, आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किया गया। ये अनुसंधान देश में कृषि विज्ञान की प्रगति के लिये लाभप्रद सिद्ध हुए हैं।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHEB SHINDE) : (a) Yes. In fact, a number of such schemes have been formulated from time to time. A few of them have been completed and others are at different stages of implementation.

t[ ] English translation.